निर्मला जैन की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा

प्रख्यात आलोचक एवं अनुवादक निर्मला जैन की स्मृति में साहित्य अकादेमी द्वारा एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम साहित्य अकादमी के सचिव डॉ. के. श्रीनिवासराव ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा कि उन्होंने पुरुष प्रधान आलोचना के क्षेत्र में एक चुनौती के रूप में आलोचना कर्म को चुना और अपने समर्पण से एक खास मुकाम हासिल किया। रामेश्वर राय ने उनको अपने गुरु के रूप में याद करते हुए कहा कि उन्होंने साहित्य की सभी विधाओं में अपने तरीके से बेहतर काम किया। अतः उनकी आलोचना में हम नैतिक तंतु की खोज को

चिन्हित कर सकते हैं। पुरुषोत्तम अग्रवाल ने उन्हें ऐसे आलोचक के रूप में याद किया, जिनकी संख्या अब तेजी से घटती जा रही है। उनका गहरा ज्ञान और फैमिनिज्म केवल स्त्रियों के लिए नहीं, बल्कि सबके लिए था। साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष माधव कौशिक भी सभा में ऑनलाइन जुड़े। गरिमा श्रीवास्तव ने उन्हें याद करते हुए कहा कि वे जेंडर न्यूट्रल थीं और उन्होंने अपनी मेहनत से अपने ऊपर लगाए गए विभिन्न आरोपों को खंडित किया। सभा का संचालन अकादमी के उपसचिव देवेंद्र कुमार देवेश ने किया। सभा के अंत में निर्मला जैन की स्मृति में एक मिनट का मौन रखा गया।